

A Resolution of the Church of the Brethren Mission and Ministry Board

चर्च ऑफ द ब्रेथ्रन मिशन एंड मिनिस्ट्री बोर्ड का एक संकल्प

March 2026

Walking Together: साथ चलना

Immigration, Peacemaking, Conscience, and Supporting Our Neighbors

आप्रवासन , शांति-स्थापना , अंतरात्मा , **अपने पड़ोसियों की मदद करना**

“I was a stranger, and you welcomed me” (Matthew 25:36).

“मैं परदेशी था, और तुम ने मुझे अपने घर में ठहराया।” (मती 25:35)

Care for immigrants and refugees is an essential part of the Christian and Church of the Brethren ethic of service and peacemaking.

प्रवासियों और शरणार्थियों की देखभाल करना ईसाई और 'चर्च ऑफ द ब्रेथ्रन' की सेवा और शांति स्थापना की नैतिकता का एक अनिवार्य हिस्सा है।

As followers of Jesus, the Church of the Brethren has long considered service to others to be a foundational part of our beliefs. This call to serve others is not limited to a few but extended to all. Scripture repeatedly tells us that we are to love, show hospitality to, and not mistreat foreigners (Deuteronomy 10:18–19, Exodus 22:21, Hebrews 13:2) and that immigrants should be treated the same as native-born residents of any land (Leviticus 19:33–34, Leviticus 24:22, Numbers 15:15–16). Migration also is foundational to the biblical story, seen in the migration of the Israelites from Canaan to Egypt and in the experience of Jesus as a refugee in Egypt to escape political violence. It is clear that empathy for and support of immigrants, migrants, and refugees are part of biblical teachings.

यीशु के अनुयायियों के रूप में, 'चर्च ऑफ द ब्रेथ्रन' ने लंबे समय से दूसरों की सेवा को हमारे विश्वासों का एक बुनियादी हिस्सा माना है। दूसरों की सेवा करने का यह आह्वान कुछ ही लोगों तक सीमित नहीं है, बल्कि सभी के लिए है। पवित्र शास्त्र हमें बार-बार बताता है कि हमें विदेशियों से प्रेम करना चाहिए, उनका सत्कार करना चाहिए और उनके साथ दुर्व्यवहार नहीं करना चाहिए (व्यवस्थाविवरण 10:18-19, निर्गमन 22:21, इब्रानियों 13:2) और प्रवासियों के साथ वैसा ही व्यवहार किया जाना चाहिए

जैसा किसी भी भूमि के मूल निवासियों के साथ किया जाता है (लैव्यव्यवस्था 19:33-34, लैव्यव्यवस्था 24:22, गिनती 15:15-16)। प्रवासन (एक स्थान से दूसरे स्थान जाना) भी बाइबल की कहानी का एक बुनियादी हिस्सा है, जैसा कि कनान से मिस्र में इस्राइलियों के प्रवासन में और राजनीतिक हिंसा से बचने के लिए मिस्र में एक शरणार्थी के रूप में यीशु के अनुभव में देखा गया है। यह स्पष्ट है कि प्रवासियों और शरणार्थियों के प्रति सहानुभूति और उनका समर्थन बाइबल की शिक्षाओं का हिस्सा हैं।

The Church of the Brethren has historically connected the call to serve others to include caring for immigrants and refugees. In a 1982 resolution, the church stated, “The primary truth of faith as we consider immigrants and refugees today is that Christ has made another appearance among us, as Himself an immigrant and refugee in the person of political dissidents, the economically deprived, and foreigners on the run.” The Church of the Brethren has carried out this belief through work with organizations like Church World Service to resettle refugees in the United States, by opening direct community service programs to immigrants in congregations’ local communities, and through advocacy to the United States government on behalf of a more humane and welcoming immigration policy.

ऐतिहासिक रूप से, 'चर्च ऑफ द ब्रेथ्रेन' ने दूसरों की सेवा करने के आह्वान को प्रवासियों और शरणार्थियों की देखभाल से जोड़ा है। 1982 के एक प्रस्ताव में, चर्च ने कहा था, 'आज जब हम प्रवासियों और शरणार्थियों के बारे में सोचते हैं, तो हमारे विश्वास की प्राथमिक सच्चाई यह है कि मसीह ने हमारे बीच एक और रूप में दर्शन दिया है—राजनीतिक विरोधियों, आर्थिक रूप से वंचितों और अपनी जान बचाकर भाग रहे विदेशियों के रूप में वे स्वयं एक प्रवासी और शरणार्थी बनकर आए हैं।' 'चर्च ऑफ द ब्रेथ्रेन' ने इस विश्वास को 'चर्च वर्ल्ड सर्विस' जैसे संगठनों के साथ मिलकर संयुक्त राज्य अमेरिका में शरणार्थियों को बसाने, चर्च की स्थानीय मंडलियों (congregations) में प्रवासियों के लिए सीधे सामुदायिक सेवा कार्यक्रम शुरू करने और अधिक मानवीय और स्वागत योग्य आप्रवासन नीति के लिए संयुक्त राज्य सरकार के सामने वकालत करने के माध्यम से पूरा किया है।"

This service to immigrants and refugees has been a consistent and long-term position of the Church of the Brethren. For example, members have worked to care for refugees after World War II, and the church advocated for greater US support for refugees as a result of the Vietnam War (1979 Statement: Action in the Refugee Crisis of Southeast Asia).

प्रवासियों और शरणार्थियों की यह सेवा 'चर्च ऑफ द ब्रेथ्रेन' का एक निरंतर और दीर्घकालिक रुख रहा है। उदाहरण के लिए, इसके सदस्यों ने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद शरणार्थियों की देखभाल के लिए काम किया था, और चर्च ने वियतनाम युद्ध के परिणामस्वरूप शरणार्थियों के लिए अधिक अमेरिकी समर्थन की वकालत की थी (1979 का वक्तव्य: दक्षिण पूर्व एशिया के शरणार्थी संकट में कार्रवाई)।"

Currently there is a worldwide refugee and migration crisis, with many causes of migration including war, civil conflicts, criminal violence, climate change, and international and national economics. The Church of the Brethren has treated immigrants who migrate for any of these reasons as deserving of support.

वर्तमान में दुनिया भर में एक शरणार्थी और प्रवासन संकट चल रहा है, जिसके कई कारण हैं जिनमें युद्ध, गृह संघर्ष, आपराधिक हिंसा, जलवायु परिवर्तन, और अंतर्राष्ट्रीय व राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था शामिल हैं। 'चर्च ऑफ द ब्रेथ्रेन' ने इन कारणों में से किसी भी वजह से प्रवास करने वाले प्रवासियों को सहायता का पात्र माना है।

Church of the Brethren history and tradition include radical discipleship, conscientious objection, and participation in civil disobedience.

'चर्च ऑफ द ब्रेथ्रेन' के इतिहास और परंपरा में कट्टर चेलापन (radical discipleship), सचेत आपत्ति (conscientious objection), और सविनय अवज्ञा (civil disobedience) में भागीदारी शामिल हैं।"

In cases where government policies are unjust or conflict with biblical teachings, the Church of the Brethren has supported individuals to follow their conscience and, in some cases, has encouraged open, nonviolent civil disobedience to such laws. One longstanding example is the church's support of conscientious objection to war.

उन मामलों में जहाँ सरकार की नीतियां अन्यायपूर्ण होती हैं या बाइबल की शिक्षाओं के विपरीत होती हैं, 'चर्च ऑफ द ब्रेथ्रेन' ने लोगों को अपने विवेक का पालन करने के लिए समर्थन दिया है और, कुछ मामलों में, ऐसे कानूनों के खिलाफ खुले और अहिंसक सविनय अवज्ञा (नागरिक अवज्ञा) को बढ़ावा दिया है। इसका एक पुराना और निरंतर उदाहरण युद्ध के खिलाफ सचेत आपत्ति (conscientious objection) को चर्च द्वारा दिया गया समर्थन है।

Rooted in the Brethren belief that all war is sin, the Church of the Brethren has declared that, "We, therefore, cannot encourage, engage in, or willingly profit from armed conflict at home or abroad. We cannot, in the event of war, accept military service or support the military machine in any capacity" (1970 Statement on War). The church has considered a wide range of actions as part of nonparticipation in war, including conscientious objection to the military draft, nonpayment of taxes for military expenditures, and divestment from private companies that produce military weapons.

ब्रेथ्रेन के इस विश्वास में गहराई से निहित कि सभी युद्ध पाप हैं, 'चर्च ऑफ द ब्रेथ्रेन' ने घोषणा की है कि, 'इसलिए, हम देश या विदेश में किसी भी सशस्त्र संघर्ष को बढ़ावा नहीं दे सकते, उसमें शामिल नहीं हो सकते, या स्वेच्छा से उससे लाभ नहीं कमा सकते। युद्ध की स्थिति में, हम सैन्य सेवा स्वीकार नहीं कर सकते या किसी भी क्षमता में सैन्य तंत्र का समर्थन नहीं कर सकते' (युद्ध पर 1970 का वक्तव्य)। चर्च ने युद्ध में शामिल न होने के हिस्से के रूप में कई तरह के कदमों पर विचार किया है, जिसमें अनिवार्य सैन्य भर्ती (military draft) का सचेत विरोध करना, सैन्य खर्चों के लिए करों (taxes) का भुगतान न करना, और सैन्य हथियार बनाने वाली निजी कंपनियों से अपना निवेश वापस लेना (divestment) शामिल है।"

In some cases, nonparticipation in acts that violate our conscience and beliefs may include disobeying the law. In previous Annual Conference resolutions, the Church of the Brethren has taken up the question of civil disobedience. The 1969 Annual Conference statement "Obedience to God and Civil Disobedience" explains that, "While the state may demand reasonable loyalty from its citizens, it must not demand absolute obedience, which belongs to God." The statement also offers consideration for how faithful civil disobedience should be carried out, explaining that it should be "thought through carefully, prayed about, and fully discussed" among the

church. It also suggests that Christians who engage in civil disobedience should openly explain their reasons for doing so to others and that “the emphasis of the action should be upon faithfulness to God and the affirmation of clear moral issues rather than upon the negation of law and civil disobedience as an end in itself.”

कुछ मामलों में, ऐसे कार्यों में शामिल न होने में कानून की अवज्ञा करना भी शामिल हो सकता है जो हमारे विवेक और विश्वासों का उल्लंघन करते हैं। पिछले वार्षिक सम्मेलन के प्रस्तावों में, 'चर्च ऑफ द ब्रेथ्रेन' ने सविनय अवज्ञा (नागरिक अवज्ञा) के सवाल पर विचार किया है। 1969 के वार्षिक सम्मेलन का वक्तव्य 'ईश्वर के प्रति आज्ञाकारिता और सविनय अवज्ञा' यह स्पष्ट करता है कि, 'जबकि राज्य अपने नागरिकों से उचित निष्ठा की मांग कर सकता है, उसे पूर्ण आज्ञाकारिता की मांग नहीं करनी चाहिए, क्योंकि वह केवल ईश्वर की है।' यह वक्तव्य इस बात पर भी विचार प्रस्तुत करता है कि एक आस्थावान सविनय अवज्ञा को कैसे अंजाम दिया जाना चाहिए, यह समझाते हुए कि इस पर चर्च के बीच 'गहनता से विचार किया जाना चाहिए, प्रार्थना की जानी चाहिए और पूरी चर्चा की जानी चाहिए।' यह यह भी सुझाव देता है कि सविनय अवज्ञा में शामिल होने वाले ईसाइयों को दूसरों के सामने ऐसा करने के अपने कारणों को खुलकर स्पष्ट करना चाहिए और 'कार्रवाई का जोर कानून के नकारने या सविनय अवज्ञा को अपने आप में एक साध्य मानने के बजाय, ईश्वर के प्रति वफादारी और स्पष्ट नैतिक मुद्दों की पुष्टि पर होना चाहिए।

In all cases, the church has not treated civil disobedience lightly, but considered potential consequences and noted that not all members may be of one mind about what level of risk to assume (1973 Statement: Non-Cooperation).

सभी परिस्थितियों में, चर्च ने नागरिक अवज्ञा को हल्के में नहीं लिया है। उसने संभावित परिणामों पर विचार किया है और यह भी ध्यान दिया है कि जोखिम के स्तर को लेकर सभी सदस्य एक ही मत के नहीं हो सकते (1973 वक्तव्य: असहयोग)।

The Church of the Brethren has previously applied the concept of civil disobedience to immigration law. In a 1989 statement on churches providing sanctuary for refugees from El Salvador, Guatemala, and Haiti, the church responded to what it considered to be unjust immigration policies. The Annual Conference stated that, “The use of the church as sanctuary is consistent with obedience and faithfulness to Christ’s will and way” and endorsed churches providing sanctuary to immigrants when lawful means of protecting their rights were exhausted, though doing so would potentially result in legal consequences.

चर्च ऑफ द ब्रेथ्रेन' ने पहले भी आब्रजन (immigration) कानून पर सविनय अवज्ञा की अवधारणा को लागू किया है। अल साल्वाडोर, अल साल्वाडोर, ग्वाटेमाला और हैती के शरणार्थियों को आश्रय देने वाले चर्चों पर 1989 के एक वक्तव्य में, चर्च ने उन नीतियों पर प्रतिक्रिया दी थी जिन्हें वह अन्यायपूर्ण आब्रजन नीतियां मानता था। वार्षिक सम्मेलन ने घोषणा की थी कि, 'चर्च का आश्रय स्थल के रूप में उपयोग मसीह की इच्छा और मार्ग के प्रति आज्ञाकारिता और वफादारी के अनुरूप है' और उसने चर्चों द्वारा प्रवासियों को आश्रय देने का समर्थन किया जब उनके अधिकारों की रक्षा के कानूनी साधन समाप्त हो गए थे, भले ही ऐसा करने से संभावित रूप से कानूनी परिणाम भुगतने पड़ सकते थे।

Historically, when immigration law was inconsistent with Christ’s teachings, the Church of the Brethren has accepted civil disobedience in the form of providing sanctuary as a reasonable and, in some cases, necessary response. Today, there are many legal ways in which members of the Church of the Brethren can and have supported their immigrant neighbors. However, in cases

where such actions are portrayed as against the law or if laws change moving forward, civil disobedience may be the faithful response.

ऐतिहासिक रूप से, जब भी आब्रजन (immigration) कानून मसीह की शिक्षाओं के विपरीत था, 'चर्च ऑफ द ब्रेथ्रेन' ने आश्रय देने के रूप में सविनय अवज्ञा को एक उचित और कुछ मामलों में एक आवश्यक कदम के रूप में स्वीकार किया है। आज, ऐसे कई कानूनी तरीके हैं जिनके माध्यम से 'चर्च ऑफ द ब्रेथ्रेन' के सदस्य अपने प्रवासी पड़ोसियों का समर्थन कर सकते हैं और उन्होंने ऐसा किया भी है। हालाँकि, जिन मामलों में ऐसे कदमों को कानून के खिलाफ दिखाया जाता है या यदि भविष्य में कानून बदल जाते हैं, तो सविनय अवज्ञा ही एक निष्ठावान प्रतिक्रिया हो सकती है।

Faithful civil disobedience is grounded biblically and theologically

आस्था से प्रेरित सविनय अवज्ञा का आधार बाइबल और धर्मशास्त्र में गहराई से निहित है

Civil disobedience is the peaceful act of refusing to obey laws or policies that oppose God's justice and love, carried out prayerfully and with willingness to accept the consequences. It is rooted in discipleship, conscience, and love for neighbors, not in anger or rebellion.

सविनय अवज्ञा (नागरिक अवज्ञा) उन कानूनों या नीतियों को मानने से इनकार करने का एक शांतिपूर्ण कार्य है जो ईश्वर के न्याय और प्रेम के विपरीत हैं, जिसे प्रार्थनापूर्वक और इसके परिणामों को स्वीकार करने की इच्छा के साथ किया जाता है। इसका आधार चेलेपन (discipleship), विवेक और पड़ोसियों के प्रति प्रेम में निहित है, न कि क्रोध या विद्रोह में।”

Among the many biblical examples are Jesus' acts of nonviolent witness including Matthew 5 through 7 (nonviolence, enemy love, truth-telling) and John 18 through 19 (Jesus resists unjust power through truth and suffering love). The lesson of the New Testament is that Christian resistance mirrors the cross—firm, nonviolent, and redemptive.

बाइबल के कई उदाहरणों में यीशु के अहिंसक गवाही (साक्ष्य) के कार्य शामिल हैं, जिनमें मत्ती अध्याय 5 से 7 (अहिंसा, शत्रुओं से प्रेम, सत्य बोलना) और यूहन्ना अध्याय 18 से 19 (यीशु सत्य और पीड़ित करने वाले प्रेम के माध्यम से अन्यायपूर्ण सत्ता का विरोध करते हैं) शामिल हैं। नए नियम (New Testament) की सीख यह है कि मसीही प्रतिरोध क्रूस का प्रतिबिंब है—जो दृढ़, अहिंसक और मुक्तिदायी (उद्धार लाने वाला) होता है।

The historic witness in the Christian tradition includes the witness of Martin Luther King Jr., whose leadership in the Civil Rights struggle can be encapsulated in his groundbreaking “Letter from Birmingham Jail” articulating nonviolent civil disobedience rooted in Christian love and the distinction between just and unjust laws.

ईसाई परंपरा में ऐतिहासिक गवाही (साक्ष्य) के रूप में मार्टिन लूथर किंग जूनियर का उदाहरण शामिल है, जिनके नागरिक अधिकार (Civil Rights) संघर्ष के नेतृत्व को उनकी अभूतपूर्व 'लेटर फ्रॉम बर्मिंघम जेल' में संक्षेप में देखा जा सकता है, जिसमें ईसाई प्रेम पर आधारित अहिंसक सविनय अवज्ञा

और न्यायपूर्ण व अन्यायपूर्ण कानूनों के बीच के अंतर को स्पष्ट रूप से व्यक्त किया गया है।

Dietrich Bonhoeffer, the German theologian who personified costly Christian discipleship under Nazism, demonstrated moral responsibility in the face of evil.

डिट्रिख बोनहोफ़र एक जर्मन धर्मशास्त्री थे, जिन्होंने नाज़ी शासन के दौरान मसीह के मार्ग पर चलने के लिए भारी कीमत चुकाई। उन्होंने बुराई के सामने नैतिक ज़िम्मेदारी निभाने का एक बड़ा उदाहरण पेश किया।

In the Roman Catholic tradition, Dorothy Day illustrated the power of radical hospitality, poverty, and resistance to unjust laws through community practice.

रोमन कैथोलिक परंपरा में, डोरोथी डे ने समाज के बीच रहकर यह दिखाया कि क्रांतिकारी स्वागत-सत्कार, सादगी भरा जीवन (गरीबी) और अन्यायपूर्ण कानूनों के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध में कितनी बड़ी ताकत होती है।

These and many other Christian witnesses affirm that civil disobedience is not rebellion for its own sake; it is an act of discipleship to Jesus Christ when conscience, scripture, and love of neighbor demand action.

ये और कई अन्य मसीही उदाहरण इस बात की पुष्टि करते हैं कि सविनय अवज्ञा का उद्देश्य केवल विद्रोह करना नहीं है; बल्कि यह यीशु मसीह के मार्ग पर चलने का ही एक रूप है, जिसे तब अपनाया जाता है जब हमारा अंतःकरण, बाइबल की शिक्षाएँ और हमारे पड़ोसियों के प्रति प्रेम हमें कदम उठाने के लिए प्रेरित करते हैं।

In the Church of the Brethren tradition, civil disobedience is carried out only after discernment that seeks the guidance of the Holy Spirit. Often, for Brethren, such discernment is carried out in the context of the faithful congregation. The Church of the Brethren has historically emphasized community discernment as civil disobedience is considered a faithful action in service of the peace witness (nonviolence, conscientious objection) and toward the goal of standing with marginalized neighbors. Simplicity and humility have been helpful postures as Brethren discern the call to civil disobedience.

चर्च ऑफ द ब्रेथ्रेन' की परंपरा में, सविनय अवज्ञा का कदम केवल पवित्र आत्मा का मार्गदर्शन खोजने और गहराई से विचार करने के बाद ही उठाया जाता है। ब्रेथ्रेन समुदाय में यह निर्णय अक्सर पूरी मंडली के साथ मिलकर प्रार्थनापूर्वक लिया जाता है। चर्च ने हमेशा सामूहिक निर्णय लेने पर जोर दिया है, क्योंकि वे सविनय अवज्ञा को शांति की गवाही (जैसे अहिंसा और युद्ध का विरोध) का एक हिस्सा और समाज के कमजोर व

पिछड़े पड़ोसियों के साथ खड़े होने का एक माध्यम मानते हैं। इस बुलाहट को समझने के लिए सादगी और विनम्रता हमेशा से ब्रेथ्रेन समुदाय का मूल स्वभाव रहे हैं।

Support for newcomers and respect for God’s love for justice are reaffirmed.

नए आने वाले लोगों की सहायता करने और न्याय के प्रति ईश्वर के प्रेम का आदर करने के संकल्प को फिर से दोहराया जाता है।

“The Lord executes justice for the orphan and the widow, and loves the strangers, providing them food and clothing. You shall also love the stranger, for you were strangers in the land of Egypt” (Deuteronomy 10:18–19).

“वह अनाथों और विधवाओं का न्याय करता है, और परदेशियों से प्रेम करके उन्हें भोजन और वस्त्र देता है। इसलिए तुम भी परदेशियों से प्रेम रखना, क्योंकि तुम भी मिस्र देश में परदेशी थे” (व्यवस्थाविवरण 10:18–19)

“When a foreigner resides among you in your land, do not mistreat them. The foreigner residing among you must be treated as your native-born. Love them as yourself, for you were foreigners in Egypt. I am the Lord your God” (Leviticus 19:33–34, NIV).

“जब कोई परदेशी तुम्हारे देश में तुम्हारे बीच रहे, तो तुम उसके साथ दुर्व्यवहार मत करना। तुम्हारे बीच रहने वाला परदेशी तुम्हारे लिए तुम्हारे अपने मूल निवासी जैसा होना चाहिए। तुम उससे अपने समान प्रेम रखना, क्योंकि तुम भी मिस्र देश में परदेशी थे। मैं तुम्हारा परमेश्वर यहोवा हूँ” (लैव्यव्यवस्था 19:33–34)

We reaffirm that the church’s care for immigrants and refugees is not optional, but a core Christian ethical commitment rooted in love of neighbor, justice, and faithfulness to Christ.

हम इस बात को फिर से दोहराते हैं कि प्रवासियों और शरणार्थियों की सहायता करना चर्च के लिए कोई वैकल्पिक काम नहीं है। यह अपने पड़ोसियों से प्रेम करने, न्याय का साथ देने और मसीह के प्रति वफादार रहने की हमारी मुख्य मसीही नैतिक जिम्मेदारी है।

Calls to action

कदम उठाने का आह्वान

For individuals:

व्यक्तियों के लिए :

Learn and listen सीखें और सुनें

- Read immigrant and refugee stories. प्रवासियों और शरणार्थियों की कहानियाँ पढ़ें।

- Listen with humility and respect. नम्रता और सम्मान के साथ सुनें।
- Learn about cultures, histories, and experiences. **विभिन्न संस्कृतियों, इतिहास और अनुभवों के बारे में जानें।**

Speak with care सोच-समझकर बोलें

- Challenge harmful stereotypes with truth and grace. सच्चाई और शालीनता के साथ गलत धारणाओं को चुनौती दें।
- Use language that honors dignity. **ऐसी भाषा का प्रयोग करें जो सम्मान और गरिमा को बढ़ाती हो।**
- Share accurate information with compassion. **सहानुभूति (करुणा) के साथ सटीक जानकारी साझा करें।**

Show up consistently निरंतर अपनी उपस्थिति दर्ज कराएं

- Volunteer regularly, not just once. **नियमित रूप से स्वयंसेवा करें, केवल एक बार नहीं।**
- Accompany families when invited. आमंत्रित किए जाने पर परिवारों का साथ दें, उनके साथ जाएँ।
- Build relationships rooted in trust. **विश्वास पर आधारित संबंधों का निर्माण करें।**
- Understand that civil disobedience may be necessary. यह समझें कि सविनय अवज्ञा आवश्यक हो सकती है।

For congregations: मंडलियों के लिए:

Pray and reflect प्रार्थना और आत्म-चिंतन करें

- Pray for immigrant families and communities. प्रवासी परिवारों और समुदायों के लिए प्रार्थना करें।
- Include immigrants in congregational prayer. अपनी मंडली की प्रार्थनाओं में प्रवासियों को भी शामिल करें।
- Reflect on the biblical call to welcome the stranger and to work for justice. **परदेशियों का स्वागत करने और न्याय के लिए काम करने के बाइबल के आह्वान पर आत्म-चिंतन करें।**

Offer welcome and support स्वागत और सहयोग दें

- Greet and acknowledge immigrant neighbors. प्रवासी पड़ोसियों का अभिवादन करें और उन्हें स्वीकार्यता का अहसास कराएं।
- Help with forms, school questions, or appointments. **विभिन्न फॉर्म भरने, स्कूल से जुड़े सवाल या अपॉइंटमेंट लेने में उनकी मदद करें।**

- Offer rides, childcare, or translation, when possible. **संभव होने पर वाहन की सुविधा (rides), बच्चों की देखभाल (childcare) या अनुवाद (translation) में सहयोग दें।**
- Understand that civil disobedience may be necessary and support church members who prayerfully participate in such actions. **यह समझें कि सविनय अवज्ञा आवश्यक हो सकती है और चर्च के उन सदस्यों का समर्थन करें जो प्रार्थनापूर्वक ऐसे कदमों में भाग लेते हैं।**

For districts: जिलों (districts) के लिए:

Give resources संसाधन प्रदान करें

- Donate food, clothing, school supplies, or gift cards. भोजन, कपड़े, स्कूल की सामग्री, या गिफ्ट कार्ड दान करें।
- Support trusted local and national organizations. भरोसेमंद स्थानीय और राष्ट्रीय संगठनों का समर्थन करें।
- Share resources collectively for greater impact. अधिक प्रभाव डालने के लिए सामूहिक रूप से संसाधनों को साझा करें।

Bear the cost कीमत चुकाने के लिए तैयार रहें

- Accept inconvenience, misunderstanding, or criticism. **असुविधा, गलतफहमी या आलोचना को स्वीकार करने के लिए तैयार रहें।**
- Share power, space, and leadership. **सत्ता (प्रभाव), स्थान और नेतृत्व को साझा करें।**
- Remain faithful when support requires sacrifice. **जब समर्थन के लिए त्याग या बलिदान की आवश्यकता हो, तब भी वफादार बने रहें।**
- Understand that civil disobedience might be necessary and support congregations' prayerful participation in such actions. **यह समझें कि सविनय अवज्ञा आवश्यक हो सकती है और मंडलियों (congregations) के प्रार्थनापूर्ण प्रयासों व भागीदारी का समर्थन करें।**

For the denomination: पूरे चर्च संगठन के लिए:

Advocate courageously साहसपूर्वक वकालत करें

- Speak up when policies harm families. **जब नीतियां परिवारों को नुकसान पहुंचाएँ, तो उनके खिलाफ आवाज़ उठाएँ।**
- Contact leaders and institutions respectfully. **नेताओं और संस्थानों से आदरपूर्वक संपर्क करें।**

- Use voice and position to act for justice. न्याय के लिए कार्य करने हेतु अपनी आवाज और पद (स्थिति) का उपयोग करें।

Stand in solidarity **एकजुटता के साथ खड़े रहें**

- Be publicly supportive of immigrant communities. प्रवासी समुदायों का सार्वजनिक रूप से समर्थन करें।
- Attend prayer services, vigils, or community gatherings. **प्रार्थना सभाओं (prayer services), रात्रिकालीन प्रार्थनाओं (vigils), या सामुदायिक सभाओं में शामिल हों।**
- Choose presence, even when uncomfortable. असहज होने पर भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराना (साथ खड़े रहना) चुनें।
- Understand that civil disobedience might be necessary and support parts of the denomination, including staff, who prayerfully participate in such actions. यह समझें कि सविनय अवज्ञा आवश्यक हो सकती है और संप्रदाय (denomination) के उन हिस्सों, जिनमें कर्मचारी (staff) भी शामिल हैं, का समर्थन करें जो प्रार्थनापूर्वक ऐसी गतिविधियों में भाग लेते हैं।

For reflection: आत्म-चिंतन के लिए

- Annual Conference statements on peace and justice. **शांति और न्याय पर वार्षिक सम्मेलन के वक्तव्य।**
- The 2007 “Separate No More” Annual Conference paper (on racism and unity). नस्लवाद और एकता पर 2007 का वार्षिक सम्मेलन पत्र "सेपरेट नो मोर" (अब और अलगाव नहीं)।
- Church of the Brethren positions on immigration, refugee support, and nonviolent action. **आप्रवासन (immigration), शरणार्थी सहायता और अहिंसक कार्रवाई पर 'चर्च ऑफ द ब्रेथ्रेन' के दृष्टिकोण/रुख।**

We acknowledge that standing with immigrants and refugees in today’s political and cultural climate carries heightened risks and real consequences, yet we commit to walking this path with prayer, wisdom, courage, and mutual care. We trust in God, who empowers and sustains people of faith in their discipleship to Jesus Christ.

हम यह स्वीकार करते हैं कि आज के राजनीतिक और सांस्कृतिक माहौल में प्रवासियों और शरणार्थियों के साथ खड़े होने में बढ़े हुए जोखिम और वास्तविक परिणाम शामिल हैं, फिर भी हम प्रार्थना, बुद्धिमत्ता, साहस और आपसी देखभाल के साथ इस मार्ग पर चलने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम ईश्वर पर भरोसा करते हैं, जो विश्वास रखने वाले लोगों को यीशु मसीह के प्रति उनके शिष्यत्व में सशक्त और निरंतर शक्ति प्रदान करते हैं।

A prayer for the journey* *यात्रा के लिए एक प्रार्थना**

God of all people, open our eyes to see our immigrant neighbors, open our hearts to listen to them deeply, open our hands to serve them generously, open our lives to walk together with them in love, and give us the courage to do what is right, even if it means resisting the laws of the day. Amen.

सभी मनुष्यों के परमेश्वर, हमारी आँखें खोलें ताकि हम अपने प्रवासी पड़ोसियों को देख सकें, हमारे दिलों को खोलें ताकि हम उनकी बातों को गहराई से सुन सकें, हमारे हाथों को खोलें ताकि हम उदारता से उनकी सेवा कर सकें, हमारे जीवन को खोलें ताकि हम प्रेम के साथ उनके साथ मिलकर चल सकें, और हमें वह साहस दें जिससे हम वह कर सकें जो सही है, भले ही इसके लिए हमें उस समय के कानूनों का विरोध क्यों न करना पड़े। आमीना।

Spanish:

Dios de todos los pueblos, abre nuestros ojos para ver, nuestros oídos para escuchar y nuestros corazones para amar a nuestros vecinos inmigrantes. Amén.

Haitian Creole (Kreyòl):

Bondye tout pèp yo, louvri je nou pou nou wè, louvri zòrèy nou pou nou koute pep la, epi louvri kè nou pou nou renmen vwazen imigran nou yo. Amèn.

French:

Dieu de tous les peuples, ouvre nos yeux, nos cœurs et nos mains afin que nous marchions fidèlement avec nos voisins immigrants. Amen.

Hausa:

Ya Allah na dukkan al'umma, ka buɗe idanunmu, zukanmu, da hannayenmu domin mu yi tafiya tare da 'yan ci-rani cikin kauna. Amin.

Hindi:

हे सभी लोगों के परमेश्वर, हमारी आँखें खोलें कि हम देख सकें, हमारे हृदय खोलें कि हम प्रेम कर सकें, और हमारे कदमों को मार्गदर्शन दें कि हम अपने प्रवासी पड़ोसियों के साथ चलें। आमीना।

Signed

Mission and Ministry Board chair and chair-elect, or the full board

हस्ताक्षरित

**मिशन और मिनिस्ट्री बोर्ड (Mission and Ministry Board) के अध्यक्ष और नवनिर्वाचित
अध्यक्ष, या पूर्ण बोर्ड**